University in News on 19 January 2020

Hindustan Page 8

पूर्व कुलपति प्रो. एसपी सिंह ने इन्हें एडऑन कोर्स में परिवर्तित कर दिया था

डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में अब सीधे प्रवेश होंगे

लखनऊ विवि

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय के डिप्लोमा पाठ्यक्रम में अब सीधे प्रवेश का रास्ता खुलेगा। विश्वविद्यालय ने इसके लिए कवायद शुरू कर दी है। पूर्व कुलपति प्रो. एसपी सिंह ने इन्हें एडऑन कोर्स में परिवर्तित कर दिया था।

विश्वविद्यालय के किसी स्नातक या परास्नातक पाठ्यक्रम में पढ़ने वाले छात्र को ही डिप्लोमा में प्रवेश की अनुमति दी जाती थी। इसका सीधा असर, प्रवेश की संख्या पर पड़ा। कई डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में संख्या में काफी कमी देखने को मिली। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि इसके लिए एक समिति बनाई जा रही है। यह समिति के सुझाव पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अंतर विभागीय शोध पर जोर, बनेगी समिति: लखनऊ विश्वविद्यालय में अब अंतर विभागीय शोध कार्यों पर जोर दिया जाएगा। कुलपति प्रो. आलोक राय ने बताया कि प्रयास किया जा रहा है कि शिक्षक अपने स्तर पर प्रोजेक्ट पर काम शुरू करें। उन्होंने बताया कि इसमें विश्वविद्यालय के स्तर पर पूरा सहयोग किया जाएगा।

एमफिल के लिए बनेगी समिति : विश्वविद्यालय में पिछले कई वर्षों से एमफिल में प्रवेश नहीं लिए गए हैं। कुलपति ने बताया कि इसको लेकर एक समिति का गठन किया जा रहा है। इस समिति की रिपोर्ट के आधार पर आगे का फैसला लिया जाएगा।

टैगोर लाइब्रेरी में सिविल सर्विसेज कॉर्नर बनेगा

लखनऊ विश्वविद्यालय के टैगोर पुस्तकालय में सिविल सर्विसेज कॉर्नर बनाया जाएगा। कुलपति प्रो. आलोक कुमार सिंह ने शनिवार को यह निर्देश जारी किए। पुस्तकालय के नए ब्लॉक में बनने वाले इस कॉर्नर में छात्रों को सिविल सर्विसेज की तैयारी के लिए आवश्यक पुस्तकाएं और अन्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। बता दें, कि कुलपति ने टैगोर पुस्तकालय का निरीक्षण किया था। निरीक्षण के बाद कुलपति ने पुस्तकालय की ओर छात्रों को आकर्षित करने के लिए कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय की टैगोर पुस्तकालय प्रशासन ने इसके लिए कवायद तेज कर दी है। जानकारों की मानें तो, अगले सोमवार से इस दिशा में काम शुरू होगा। एक से दो सप्ताह के भीतर इस शुरू किया जा सकता है।

रैगिंग रोकने के लिए बनी नई समिति

लखनऊ विश्वविद्यालय में रैगिंग जैसी घटनाएं रोकने के लिए शनिवार को नौ सदस्यीय समिति का गठन किया गया है। इसमें, कुलानुशासक प्रो. दिनेश कुमार, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन, मुख्य अभिरक्षिका प्रो. मनुका खन्ना, प्राचार्य कला एवं शिल्प महाविद्यालय डॉ. एस गौतम, अपर कुलानुशासक प्रो. एके लाल, अपर कुलानुशासक प्रो. मनीषा गुप्ता, अपर कुलानुशासक प्रो. मोहम्मद अहमद, सहायक कुलानुशासक डॉ. कमर इकबाल आदि शामिल हैं।

प्रो. आलोक कुमार राय, लविवि कुलपति

21 से 25 तक वीसी छात्रों से संवाद करेंगे

लखनऊ। विश्वविद्यालय प्रशासन, संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, कॉलेज प्रिंसिपल के बाद अब बारी छात्रों की है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय विश्वविद्यालय के छात्रों से संवाद करेंगे। 21 से 25 जनवरी तक पीएचडी, परास्नातक, स्नातक से लेकर छात्रावास में रहने वाले छात्रों से भी संवाद किया जाएगा। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि यह संवाद मालवीय सभागार में दोपहर चार बजे से होगा।

संवाद का कार्यक्रम

• पीएचडी छात्र	21 जनवरी
• परास्नातक छात्र	22 जनवरी
• स्नातक छात्र	23 जनवरी
• छात्राएं	24 जनवरी
• छात्रावासों में रहने वाले छात्र	25 जनवरी

बोट क्लब को दोबारा जिंदा करने की कवायद : विधायक ने दी आर्थिक मदद, सिंचाई विभाग के पास पहुंचा विश्वविद्यालय

विश्वविद्यालय के छात्र 34 साल बाद गोमती में चलाएंगे चप्पू

लखनऊ विवि

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र एक बार फिर गोमती में चप्पू चला सकेंगे। करीब 34 वर्ष बाद विश्वविद्यालय के बोट क्लब को जिंदा किया जा रहा है।

विधायक नीरज बोरा ने आर्थिक सहयोग के लिए हाथ बढ़ाया है। वहीं, विश्वविद्यालय प्रशासन ने सिंचाई विभाग को एनओसी के लिए लिखा है। सबकुछ ठीक रहा तो अगले शैक्षिक सत्र में यहां छात्र चप्पू चलाते नजर आएंगे। बता दें, कि लखनऊ विश्वविद्यालय का बोट क्लब करीब 95 वर्ष पुराना है। वर्ष 1925 में छतर मंजिल पैलेस के सामने स्थापना की गई। इसके पास करीब 35 रोइंग बोट थे। 1946 में देश की पहली अंतर विश्वविद्यालय नौका-दौड़ लखनऊ विश्वविद्यालय ने ही कराई गई। पूर्व राष्ट्रपति स्वर्गीय डॉ. शंकर दयाल शर्मा न केवल चैम्पियन थे बल्कि कई वर्षों तक लखनऊ विश्वविद्यालय बोट क्लब के अध्यक्ष भी रहे।

1971 की बाढ़ ने पहुंचाया नुकसान : विश्वविद्यालय को बोट हाउस क्लब 1971 की बाढ़ में क्षतिग्रस्त हो गया। संसाधन खत्म हो गए। बावजूद, बोट क्लब चलाया गया। जैसे तैसे वर्ष 1985 तक इसका संचालन किया गया।

लखनऊ विश्वविद्यालय की बोट क्लब की पहली टीम • हिन्दुस्तान

लखनऊ विश्वविद्यालय का बोट क्लब प्रदेश की शान रहा है। 1925-26 में इसकी अलग पहचान थी। 1947 में अंग्रेजों ने जाते समय विश्वविद्यालय को कई नाव दी थी। हम लोगों ने इन्हीं 'मेड इन इंग्लैंड' नावों का इस्तेमाल किया। 85 के बाद स्थिति खराब हो गई। अब दोबारा शुरू करने का प्रयास किया जा रहा है।

आईडी शर्मा, विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र व यूपी रोइंग एसोसिएशन के पदाधिकारी

विश्वविद्यालय 100वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। ऐसे में सभी विश्वविद्यालय की शान रहे बोट क्लब को दोबारा शुरू करने के प्रयास हो रहे हैं। एलयू एथेलेटिक्स एसोसिएशन ने इसका प्रस्ताव बना लिया है। सिंचाई विभाग के मंत्री को पत्र लिखा गया है। कोशिश है कि अगले सत्र से शुरू हो जाएगा।

डॉ. नीरज जैन, अध्यक्ष, एलयू एथेलेटिक्स एसोसिएशन

Rashtriya Sahara Page 5

आकलन के बाद ही होंगे एम.फिल व डी.लिट् के प्रवेश

चयनित छात्रों व खिलाड़ियों को किया सम्मानित

लखनऊ (एसएनबी)। लविवि कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय ने कहा है कि पिछले तीन वर्षों से शिक्षा में काफी बदलाव आए हैं, ऐसे में इन बदलावों का आंकलन करने के बाद ही एम.फिल व डी.लिट में प्रवेश के बावत आगे की कार्रवाई की जाएगी। हालांकि जब उन्हें यह बताया गया कि हिन्दी विभाग में एम.फिल रेग्युलर कोर्स रहा है तो ऐसे में उसे कैसे खत्म किया जा सकेगा। इस पर प्रो.राय ने कहा कि हिन्दी विभाग में यदि एम.फिल को अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही होंगी तो उसमें प्रवेश को लेकर कोई दिक्कत नहीं होगी।

प्रो.राय शनिवार की सुबह हिंदी और आधुनिक भारतीय भाषा विभाग के 13 छात्रों के उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग के सहायक प्रोफेसर की परीक्षाम्परिणाम में चयनित होने पर उन्हें सम्मानित कर रहे थे। इसके बाद प्रो.राय ने अखिल भारतीय खेलकूद की प्रतिस्पर्धाओं में विजय हासिल कर विवि का नाम रौशन करने वाले विद्यार्थियों से मुलाकात की और उनका उत्साह वर्धन करते हुए उन्हें सम्मानित भी किया। इस अवसर पर आईपीपीआर के निदेशक डा.दुर्गेश श्रीवास्तव, लूटा अध्यक्ष डा. नीरज जैन समेत अन्य शिक्षक मौजूद थे।

छात्रों से संवाद करेंगे कुलपति : डीएसडब्ल्यू पूनम टण्डन ने बताया कि लविवि कुलपति 21 जनवरी से छात्रों से संवाद करेंगे। तय कार्यक्रम के तहत 21 को शोध छात्रों, 22 को पीजी छात्रों, 23 को यूजी छात्रों, 24 को सभी छात्राओं व 25 को सभी हास्टलरों से संवाद करेंगे। मालवीय सभागार में चार बजे अपराह्न से होने वाली इस संवाद में सूची के हिसाब से छात्रों को रहने के लिए कहा गया है।

सेन्ट्रल मेस के लिए बनेगी छात्रों की कमेटी : खाने की खराब गुणवत्ता व अन्य खामियों के चलते सेन्ट्रल मेस को देखने के लिए छात्रों की ही एक कमेटी बनायी गयी है। विवि कुलपति ने कहा कि सात हास्टलों के छात्रों का चुनाव वहीं के प्रोवोस्टों द्वारा किया जाएगा, साथ ही मेस के ठेकेदार को भी ताकीद कर दी गयी है कि वह करार के मुताबिक खाना परोसे अन्यथा कार्रवाई के साथ ही विधिक कार्रवाई भी करायी जाएगी।

Amar Ujala-My City Page 5

लविवि : पीएचडी में भी मिलेगा सवर्ण आरक्षण का फायदा

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया में भी गरीब सवर्णों को अन्य पाठ्यक्रमों की तरह आरक्षण का लाभ मिलेगा। विवि ने पीएचडी दाखिले के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू करने के बाद इसकी घोषणा की है। अब विवि के 43 में से 16 विभागों में पीएचडी दाखिलों में गरीब सवर्णों को आरक्षण मिलने का रास्ता साफ हो गया है।

विवि ने 15 फरवरी को पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया की शुरुआत की है। विभिन्न विषयों की कुल 492 सीट पर दाखिले के लिए आवेदन मांगे गए हैं। केंद्र सरकार के निर्देश पर इसी शैक्षिक सत्र से गरीब सवर्णों को 10 फीसदी आरक्षण देने की शुरुआत की गई है। विवि ने अपनी पीएचडी दाखिले में सवर्ण आरक्षण की सूचना नहीं दी थी। विवि का तर्क था कि यूजीसी का नियम होने की वजह से पीएचडी की सीट अपने स्तर से नहीं बढ़ाई जा सकती हैं।

जल्द जारी होंगे दिशा-निर्देश

"विवि प्रशासन ने पीएचडी में सवर्ण आरक्षण का लाभ देने का फैसला किया है। इसके लिए दिशा-निर्देश जल्द ही जारी किए जाएंगे।
- डॉ. दुगेश श्रीवास्तव, प्रवक्ता, लविवि

इन विभागों को मिलेगा लाभ : पीएचडी में दाखिले में गरीब सवर्णों को 10 फीसदी आरक्षण के लिए विभाग में न्यूनतम 10 सीट होनी चाहिए। इस लिहाज से विवि के 16 विभागों में यह सुविधा मिल सकती है, क्योंकि इनमें सीट संख्या 10 से ज्यादा हैं। ये विभाग हैं- अरेबिक- 21, अर्थशास्त्र- 16, अंग्रेजी- 21, हिंदी- 40, पर्शियन- 10, फिलॉसिफी- 16, संस्कृत- 10, समाजशास्त्र- 40, विधि- 38, अप्लाइड इकोनॉमिक्स-14, कॉमर्स- 21, बॉटनी- 19, केमिस्ट्री- 23, जियोलॉजी- 11, गणित- 15, फिजिक्स- 44, स्टेटिसटिक्स- 10 और जूलॉजी- 22 सीट। बाकी विभागों में अभी इसकी स्थिति तय नहीं है।

TOI Page 2

LU depts may soon have own YouTube channels

New VC For A Tech Boost To University

TIMES NEWS NETWORK

"The move will help in making Lucknow University a brand. Also, every faculty should adopt one student and sponsor his/her education in best possible way. They should also reserve one hour exclusively for students
ALOK KUMAR RAI | LU VC

Lucknow: Soon, all 43 departments of LU may have their own YouTube channels, where professors will upload lectures, tutorials and other academic-related videos. The move will help in making Lucknow University a brand. This was the suggestion given by LU's vice-chancellor prof Alok Kumar Rai during his first official interaction with faculty members at Malviya Hall on Friday.

"Also, every faculty should adopt one student and sponsor his/her education in best possible way," said Rai. The main focus, he added, will be to make LU a student-centric system for which every faculty should at least reserve one hour exclusively for students so that they can get faculty's support in solving any personal, professional or academics related issue.

"We have a Padmashri professor and several others of national and international repute, our 43 departments should make lectures of such professors available online via YouTube channel, this will help in making LU a brand ," said the V-C.

He said university holds an excellent academic record and despite running primarily traditional and conventional courses still it has highest citation in reputed journals like SCOPUS and Web of Science. The citation index of the LU is higher than several notable central universities.

The V-C asked professors to focus more on research and every faculty of the university should have atleast two research scholars and a project work.

He also shared that with the focus to give a technological boost to the university's academic functioning soon facilities like a digital locker—availability of the academic document online and use of smart classes for learning and video making will be mobilized.

All professors were also asked to assure flag hoisting at respective departments and hostels during Republic and Independence Day.

Updates